



एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2022)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

पशुओं के लिए यूरिया / शीरा एक पौष्टिक आहार

(*राजेंद्र कुमार¹ एवं आशा²)

¹पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ. प्र.)

²मृदा विज्ञान विभाग, सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, प्रयागराज (उ. प्र.)

* sutharagricos@gmail.com

भारत में प्रति पशु दुग्ध उत्पादन बहुत कम है। इसका मुख्य कारण आनुवंशिक क्षमता की कमी तथा पौष्टिक व संतुलित आहार की आपूर्ति न होना है। फसल अवशेष ही हमारे पशुओं के मुख्य आहार हैं। फसल अवशेषों में खनिज लवण की मात्रा बहुत ही कम होती है। जबकि इनमें थोड़ा कार्बोहाईड्रेट्स ही होते हैं। इसलिए फसल अवशेष में अल्प मात्रा में पाये जाने वाले तत्वों की पूर्ति आवश्यक है।

जुगाली करने वाले पशुओं की विशेषता है कि वे अपनी प्रोटीन तथा उर्जा की आवश्यकता केवल नाइट्रोजन तथा रेशेदार आहार से पूरा कर लेते हैं। लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि जीवाणुओं की नाइट्रोजन उर्जा तथा खनिज की आवश्यकता को पूरा किया जाये। फसलों के अवशेष खिलाने से पशु पोषण या उत्पादन की बात तो दूर इसके सेवन से पाये जाने वाले जीवाणुओं की पूर्ति भी नहीं हो पाती है।

यूरिया, शीरा तथा खनिज सूखे चारे में मिलाकर खिलाने से पशुओं की जीवन निर्वाहन की आवश्यकता पूरी हो जाती है। इसके लिए पशुपालकों को विशेष परीक्षण की आवश्यकता होती है क्योंकि अगर तीन तत्व ठीक प्रकार तथा उचित अनुपात में नहीं मिलाये गये तो यूरिया की विषाक्तता से पशु मर भी सकता है। इसलिये कृषकों व पशुपालकों की सुविधा के लिए यूरिया, शीरा व खनिज तैयार किया जाता है जो कि पशुओं के लिए हर तरह से सुरक्षित है। पशु अपनी आवश्यकता के अनुसार पिंड को चाट सकता है और फसल अवशेष में जो तत्व कम होते हैं उनकी आपूर्ति खनिज पिंड से हो जाती है।

अगर बिनौले अथवा मूंगफली की खली उपलब्ध नहीं हो तो दूसरी खली का उपयोग भी कर सकते हैं। यह पिंड बाजार में भी उपलब्ध होता है, परन्तु महँगा पड़ता है तथा अवयवों की प्रतिशतमात्रा की विश्वनीयता नहीं होती। इसलिए पशुपालक के लिए अगर इसे घर पर तैयार कर लें तो यह काफी सस्ता व विश्वसनीय होता है।

विधि 1

सबसे पहले शीरै को गर्म करके उसमें यूरिया कैल्साइट पाउडर और सोडियम बैण्टोनाइट डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को धीरे-धीरे हिलाते हुए उसमें खनिज मिश्रण खली आदि को मिलाये। जब मिश्रण का तापमान 120°C हो जाये तो इसको 10 मिनट तक अच्छी तरह मिलायें और जब सभी पदार्थ अच्छी तरह मिल जाये तो मिश्रण को ठण्डा (80-90°C) कर लें। फिर उचित आकार के सांचों में डालकर ठण्डा होने के लिए रख दें।

विधि 2

इस विधि में यूरिया, कैल्शियम आक्साइड (चूना) का प्रयोग किया जाता है। चूने के मिश्रण को मिलाकर ही इतनी गर्मी पैदा हो जाती है कि सारे मिश्रण को अर्द्धतरल अवस्था में बदल देती हैं तथा मिश्रण को सांचों में डालकर आसानी से पिंड बनाया जा सकता है।

यूरिया, शीरा खिलाने के लाभ

1. पशु को पाचनशील पदार्थ अधिक मिलता है।
2. पशु द्वारा सूखे चारे तथा फसल अवशेष को खाने की मात्रा बढ़ जाती है क्योंकि इसमें प्रोटीन उर्जा तथा खनिज मौजूद होते हैं। जिससे अमाशय में उपस्थित जीवाणुओं की प्रक्रिया तथा उनकी संख्या में काफी बढ़ेदारी हो जाती है।
3. सूखे चारे की पाचनशीलता तथा आगे बढ़ने की क्षमता दर बढ़ जाती है
4. पशु अधिक आहार लेता है जो कि पशु के लिए लाभदायक है।
5. जीवाणु अधिक प्रोटीन का निर्माण करते हैं जिससे व्यस्क पशु की प्रोटीन की आवश्यकता पूरी हो जाती है।
6. यूरिया-शीरा-खनिज पिंड सूखे चारे के साथ खिलाने से मिथेन गैस कम बनती है।

यूरिया, शीरा व खनिज युक्त पशु आहार पशुओं के लिए पूरक पोषण का महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके फलस्वरूप पशुओं की उत्पादन क्षमता में सुधार होता है। यह स्थानीय सामग्री जैसे गुड, यूरिया, कैल्साइट और गेहूँ के भूसे के साथ मिलाकर बनाया जा सकता है। यह पशुओं के लिए एक सस्ता व सम्पूर्ण पोषण का आहार है। इससे पशुओं के उत्पादन में वृद्धि होती है।